के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। को खुद ही तलाश कर लाओ। दबोच लिया और परसाखेड़ा चौकी ले के दांव आजमाए गए।

तीन आरोपित ... पकड़ से दूर

...त और मारपीट की। उसके कपड़े ...ने की भी कोशिश की। आरोपित ...कीनंदन ने वीडियो भी बनाया। जान ...ारने की धमकी देकर उसे खेत में ...ए कर ले जाने लगे। पीड़िता रोने ... तो आरोपितों ने उसे इस शर्त पर ... कि वह घटना के बारे में किसी को ... बताएगी। इधर, सात अक्टूबर को ...पितों ने छात्रा का वीडियो वायरल ...दिया। पीड़िता की पिता की तहरीर ...शिगढ़ पुलिस ने आठ लोगों पर ...मा दर्ज किया था। इसमें पीड़िता के ... प्रेमी को भी आरोपित बनाया गया ...भारी निरीक्षक राजकुमार तिवारी ने ... कि दबिश दी जा रही है।

...AJ
...ricals Ltd.
...Trust

...सूचना
... से सावधान

...एजेंसियाँ बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ... और लेटरहेड, ईमेल आईडी आदि का ... उनके साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं. ऐसा ...हे हैं और प्रतिभूति जमा, सेवा प्रमार, ...हैं. कुछ तो यहाँ तक दावा कर रहे हैं

...धान करना चाहते हैं कि बजाज और ...क्तियों/एजेंसियों को नियुक्त किया है, ... बजाज आवेदकों से उनकी भर्ती और ...मी रूप में किसी भी राशि का भुगतान ... कि संभावित नौकरी चाहने वालों को ...र इसके बजाय किसी भी नौकरी के ...ाहिए. कहने की आवश्यकता नहीं है, ...ोखाधड़ी वाले नौकरी के प्रस्ताव के ...के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे. कृपया ...की जानकारी दें और इन्हें उठाएँ.

एसआरएमएस गुडलाइफ, बरेली में एक हफ्ते में हुए पांच सफल घुटना प्रत्यारोपण

ज्यादा दिन घुटने की अनदेखी दूसरे में भी बढ़ाएगी परेशानी

बरेली: एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में आर्थोपैडिक सर्जन डा. ध्रुव गोयल कहते हैं कि घुटने संबंधी समस्या दरअसल कोई बीमारी नहीं, उम्र बढ़ने की वजह से शरीर में आने वाले परिवर्तन हैं। जिन्हें बढ़ती उम्र, पौष्टिक और संतुलित आहार की कमी के साथ ही अनियमित दिनचर्या और बढ़ा देती है। पुरुषों के मुकाबले यह परेशानी 65 फीसद महिलाओं को ज्यादा होती है।

- **अलग अलग कराने से अच्छा है दोनों घुटनों का एक साथ करायें आपरेशन**
- **आपरेशन के बाद चार दिन में मिल जाती है घर जाने की इजाजत**
- **दूसरे शहरों के मुकाबले आपरेशन पर खर्च भी आता है बेहद कम**

डाइट और लाइफ स्टाइल संबंधी यह समस्या अब घर घर पहुंच कर युवाओं को भी प्रभावित करने लगी है। इसमें उमर बढ़ने, मोटापा होने की वजह से घुटने की दोनों हड्डियों के पाया जाने वाली गद्दी मेनइस्कस घिस जाता है। इससे दोनों हड्डी टकराने लगती है। भीषण दर्द होता है। इसे घुटना घिसना या आस्टियोअर्थराइटिस कहते हैं। कई बार तो दोनों घुटनों में एक साथ यह समस्या होती है। जो ज्यादा तकलीफदेह है। ऐसे में आपरेशन ही एक मात्र उपाय है। आपरेशन करवाने से 20 से 25 वर्ष समस्या से निजात मिल जाती है। इस बीच आपरेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ती। बड़े शहरों में होने वाले यह आपरेशन अब बरेली के एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज एवं गुडलाइफ हास्पिटल में भी सफलता पूर्वक हो रहे है। इस पर दूसरे शहरों के मुकाबले खर्च भी आधे से कम ही आता है।

कौन हैं डा.ध्रुव गोयल

डा.ध्रुव गोयल एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आर्थोपैडिक सर्जन हैं। अहमदाबाद के शैलबी हास्पिटल में आर्थोप्लास्टी विशेषज्ञ और लखनऊ के केजीएमयू में सीनियर रेजीडेंट रह चुके डा.ध्रुव दो हजार से ज्यादा सफल घुटना प्रत्यारोपण कर चुके हैं। डा. गोयल जीरो तकनीक में प्रशिक्षित सर्जन हैं और अहमदाबाद, जयपुर, इंदौर, सूरत, जबलपुर, मोहाली, लखनऊ और उदयपुर जैसे शहरों में सर्जरी का अनुभव रखते हैं। नई तकनीकी से सर्जरी करने में माहिर डा.गोयल छोटे चीरा लगाकर घुटने की दर्दरहित सर्जरी करते हैं। मरीज उसी दिन चलना आरंभ कर देते है और तीन से चार दिन में उसे घर जाने की इजाजत मिल जाती है।

SRMS Goodlife
A MULTI SPECIALITY HOSPITAL
स्टेडियम रोड, बरेली

सम्पर्क करें-9458702002,9458704444

दो घंटे में हो गया सरोज के दोनों घुटनों का एक साथ आपरेशन

पीलीभीत निवासी सरोज कुमारी शर्मा (67 वर्ष) का वजन 70 किलो था। दस साल से घुटनों के दर्द से परेशान थीं। घुटने घिसने से दोनों पैर भी टेढ़े हो गए थे। एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल में घुटनों के आपरेशन की खबर पढ़ कर सरोज जी के भतीजे उन्हें लेकर 15 सितंबर को गुडलाइफ पहुंचे। मात्र दो घंटे में उनके दोनों घुटनों का एक साथ आपरेशन हुआ। अगले ही दिन से चलने लगीं। चार दिन बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य जिंदगी जी रही हैं। उनके दोनों घुटनों के आपरेशन का खर्च, दिल्ली में जो चार लाख से ज्यादा आता वह भी गुडलाइफ में इसका आधा ही रहा और इलाज वहां से अच्छा। वह भी इंपोर्टेड इंप्लांट के साथ। सफल आपरेशन और कम खर्च से सरोज जी और पूरा परिवार गुडलाइफ और इसके डाक्टर ध्रुव गोयल का आभार जताता है।

वजन ज्यादा होने से आपरेशन कराने से डरती थीं गुरविंदर

बरेली के माडल टाउन निवासी गुरविंदर कौर (60 वर्ष) घुटनों के दर्द से काफी परेशान थीं। दस वर्ष पहले उनका घुटना खराब हो चुका था। वजह उनका वजन ज्यादा होना था। कई जगह दिखाया लेकिन दर्द और तकलीफ से कोई राहत नहीं मिली। डाक्टरों ने उन्हें घुटने का आपरेशन कराने की सलाह दी। लेकिन वह आपरेशन से डरती थीं। उन्हें लगता था कि वजन ज्यादा होने से उनका आपरेशन ठीक नहीं हो पाएगा। लेकिन गुडलाइफ हास्पिटल में घुटनों के सफल आपरेशन की खबर पढ़ कर उन्होंने डा..ध्रुव गोयल से संपर्क किया। आपरेशन की सलाह के साथ दूसरी जानकारियां हासिल कीं। संतुष्ट होने पर उन्होंने 30 सितंबर को आपरेशन कराया। एक घंटे में आपरेशन हो गया। अगले ही दिन वह चलने लगीं। तीन दिन बाद घर चली गईं गुरविंदर अब बिना तकलीफ के चलने में सक्षम हैं।

अहमदाबाद जा रही पूनम ने गुडलाइफ, बरेली में कराया घुटने का ऑपरेशन

बरेली के सिविल लाइंस निवासी पूनम अग्रवाल (52 वर्ष)को भी घुटने में दर्द की तकलीफ थी। चलना फिरना तो दूर उठना बैठना भी मुश्किल था। कई शहरों में दिखाया। आपरेशन से ही परेशानी खत्म होने की सलाह मिली। इसके लिए परिजनों ने अहमदाबाद के एक नामी अस्पताल में जाने का प्लान बनाया। इसी बीच उन्होंने गुडलाइफ हास्पिटल में घुटने के सफल आपरेशन होने की जानकारी मिली। एक बार यहां भी परिजनों ने सलाह लेना मुनासिब समझा। पूनम ने यहां डा. ध्रुव गोयल को दिखाया। उन्होंने आश्वस्त किया कि जैसा आपरेशन अहमदाबाद में होगा उससे बेहतर रिजल्ट यहीं मिल जाएंगे। परिजनों ने यहीं आपरेशन कराने पर सहमति जताई। 30 सितंबर को पूनम का आपरेशन हुए। अगले ही दिन से उन्होंने चलना शुरू कर दिया। तीन दिन बाद स्वस्थ पूनम घर पहुंच गईं।

मुध के दूसरे पैर में शुरू हो गयी थी दिक्कतें, ऑपरेशन से ठीक

पूरनपुर निवासी मधु नागी (57 वर्ष) के एक पैर में पांच साल से दिक्कत थी। घुटना घिसने से तेज दर्द की शिकायत से परेशान मधु जी को चलने काफी मुश्किल भरा था। किसी तरह एक पैर के सहारे अपने काम निपटाती थीं। अब कुछ समय से दूसरे पैर में भी दिक्कत शुरू हो गई थी। पेशे से वकालत करने वाले इनके पति ने भी एसआरएमएस गुडलाइफ में घुटनों के आपरेशन के बारे में खबर पढ़ी थी। बढ़ती तकलीफ की वजह से वे मधु जी को लेकर गुडलाइफ पहुंचे। डा.ध्रुव गोयल से मिले। उन्होंने आपरेशन की सलाह दी। अगले ही दिन 26 सितंबर को उनके घुटने का आपरेशन हुआ। चौबीस घंटे में ही मधु जी को अस्पताल में चलाया गया। उन्होंने खुद ही सीढ़ियां भी चढ़ीं। तीन दिन बाद अस्पताल से उन्हें घर जाने की इजाजत मिल गई। अब मधु जी बिना किसी तकलीफ के चलने में सक्षम हैं।

Advt.